जैव प्रौद्योगिकी में अपार संभावनाएं : डॉ. झा

आज दिनांक 16 दिसंबर 2023 को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन जी के दिशानिर्देश में विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में ''जैव प्रौद्योगिकी में अपार संभावनाएं'' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के शुरुआत मे विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर व रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट सेल के निदेशक प्रोफेसर दिनेश यादव ने मुख्य वक्ता रॉयल सोसाइटी ऑफ बायोलॉजी के अध्येता डॉ. हेम चंद्र झा, बायोसाइंसेज और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी, इंदौर का परिचय कराया व सभी उपस्थित लोगों का स्वागत किया तत्पश्चात विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राजर्षि कुमार गौर ने बायोटेक्नोलाजी विभाग की 23 वर्ष की यात्रा से सबको अवगत कराया।

कार्यक्रम में उदघाटन सत्र के बाद डॉ. झा ने जैव प्रौद्योगिकी में अपार संभावनाए के विषय पर अपना व्याख्यान दिया। बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र में शोध छात्रों को नई तकनीक के साथ–साथ डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विषय पर भी जानकारी रखनी चाहिए। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को ध्यान रखना चाहिए की शोध प्रकाशन मात्र के लिए न हो वरन सामाजिक उत्थान की दृष्टिकोण से होना चाहिए उन्हें उदारण में बताया द्रोणाचार्य के शिष्यों में अर्जुन बनने के लिए निरंतर प्रयास और अपने कौशल को निरंतर विकास करते रहना अति आवश्यक है। व्याख्यान में उन्होंने जैव प्रौद्योगिकी शोध से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की एवं छात्रों के तमाम प्रश्नों का उत्तर भी दिया। साथ ही इन्होंने बायोसाइंसेज और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी इंदौर में हो रहे शोध से भी सबको अवगत कराया।

व्याख्यान में बायोटेक्नोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राज्यर्षि कुमार गौर, पूर्व विभागाध्यक्ष व रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट सेल के निदेशक प्रोफेसर दिनेश यादव, एग्रीकल्चर इंस्टिट्यूट के निदेशक प्रोफेसर शरद कुमार मिश्रा, विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल सेल के डायरेक्टर डॉ रामवत गुप्ता, निदेशक, आईटी, गोरखपुर विश्वविद्यालय, प्रोफेसर उमेश यादवा, वनस्पति विज्ञान विभाग से डॉ अशोक कुमार, डॉ वीरेंद्र मधुकर व बायोटेक्नोलॉजी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ पवन कुमार दोहरे, डॉ गौरव सिंह एवं विभाग के शोध छात्र व एमएससी के छात्र कार्यक्रम में उपस्थित रहे।